अध्याय - 1| पुष्पी पादपों में लैंगिक जनन

QUIZ-01

1. एंजियोस्पर्म में पराग कणों का विकास परागकोश के किस भाग में होता है?

A. टैपेटम B. एंडोथीसियम
C. लघुबीजाणुधर D. संयोजक (C)

व्याख्या : परागकणों का निर्माण परागकोश की पालि में स्थित लघुबीजाणुधरो में होता है।

2. लघुबीजाणुधर की कौन-सी परत विकसित हो रहे परागकणों को पोषण प्रदान करती है?

A. एपिडर्मिस B. एंडोथीसियम
C. मध्य परतें D. टैपेटम (D)

व्याख्या : टैपेटम सबसे आंतरिक परत होती है, जो परागकणों के विकास के लिए पोषण प्रदान करती है।

3. एंजियोस्पर्म में क्रियाशील गुरुबीजाणु की गुणसूत्र संख्या क्या होती है?

A. द्विगुणित B. त्रिगुणित
C. अगुणित D. चतुष्गुणित (C)

व्याख्या : क्रियाशील गुरुबीजाणु अगुणित होता है और यह अर्द्धसूत्री विभाजन द्वारा बनता है।

4. परागनली का सूक्ष्मछिद्र के माध्यम से बीजांड में प्रवेश क्या कहलाता है?

A. चैलाजोगैमी B. मेसोगैमी
C. पोरोगैमी D. सिंगैमी (C)

व्याख्या : जब परागनली सूक्ष्मछिद्र से बीजांड में प्रवेश करती है, तो उसे पोरोगैमी कहा जाता है।

5. निम्नलिखित में से कौन एंजियोस्पर्म में भ्रूणकोष का भाग नहीं है?

A. अंडाणु कोशिका
B. ध्रुवीय नाभिक
C. सहायक कोशिकाएँ
D. टैपेटम (D)

व्याख्या : टैपेटम परागकोश की परत है, भ्रूणकोष का हिस्सा नहीं।

6. एंजियोस्पर्म में द्विनिषेचन में शामिल होता है:

A. एक नर युग्मक अंडाणु से और दूसरा सहायक कोशिका से संलयन करता है
B. दोनों नर युग्मक दो अंडाणुओं से संलयन करते हैं
C. एक नर युग्मक अंडाणु से और दूसरा ध्रुवीय नाभिकों से संलयन करता है
D. दोनों नर युग्मक विरोधी कोशिकाओं से संलयन करते हैं (C)

व्याख्या : द्विनिषेचन में एक नर युग्मक अंडाणु से और दूसरा ध्रुवीय नाभिकों से संलयन करता है।

7. एंजियोस्पर्म में कौन-सी संरचना बीज आवरण बनाती है?

A. आवरण (इंटेग्युमेंट्स) B. न्यूसेलस
C. भ्रूणकोष D. फ्यूनिकल (A)

व्याख्या : बीजांड के आवरण निषेचन के बाद बीज आवरण में परिवर्तित हो जाते हैं।

8. अधिकांश एंजियोस्पर्म में भ्रूणपोष होता है-

A. अगुणित B. द्विगुणित
C. त्रिगुणित D. चतुष्गुणित (C)

व्याख्या : भ्रूणपोष दो ध्रुवीय नाभिकों और एक नर युग्मक के संलयन से बनता है, इसलिए यह त्रिगुणित होता है।

9. निषेचन के बाद पुष्प का कौन-सा भाग फल में परिवर्तित होता है?

A. अंडाशय
B. बीजांड
C. पुष्पासन
D. दलपुंज (A)

व्याख्या : निषेचन के बाद अंडाशय फल में और बीजांड बीज में परिवर्तित होता है।

10. स्वपरागण वाले फूलों में सबसे सामान्य परागण प्रकार कौन-सा है?

A. जेनोंगैमी
B. जाइटोनोगैमी
C. चैस्मोगैमी
D. ऑटोगैमी (D)

व्याख्या : ऑटोगैमी में परागकण उसी फूल के वर्तिकाग्र पर स्थानांतरित होते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES